



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 244]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 3, 2000/कार्तिक 12, 1922

No. 244]

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 3, 2000/KARTIKA 12, 1922

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 नवम्बर, 2000

अंतिम जांच परिणाम

विषय:- चीन जनवादी गणराज्य से सोडियम नाइट्राइट के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच-अंतिम जांच परिणाम

सं. 39/1/99-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए:

क. क्रियाविधि

जांच के संबंध में निम्नलिखित क्रियाविधि का पालन किया गया है:

- निर्दिष्ट प्राधिकारी ने (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा जाएगा) दिनांक 6 अप्रैल, 2000 की अधिसूचना द्वारा प्रारंभिक जांच परिणाम अधिसूचित किए थे और हितबद्ध पार्टियों से इसके प्रकाशन की तारीख से 40 दिन के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया गया था।
- प्राधिकारी ने ज्ञात हितबद्ध पक्षों को प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति भेजी और उन्हें पत्र की तारीख से 40 दिन के भीतर उक्त जांच परिणामों पर अपने विचार, यदि कोई हों, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया था।
- प्राधिकारी ने प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति चीन जनवादी गणराज्य के दूतावास को इस अनुरोध के साथ भेजी थी कि निर्यातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों को प्रारंभिक निष्कर्षों पर अपने अपने विचार भेजने की सलाह दी जाए।
- प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को दिनांक 18 जुलाई, 2000 को अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया था। इसके अलावा मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने वाली सभी पार्टियों से मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित में दर्ज करने का अनुरोध भी किया गया था। पार्टियों से प्रतिपक्षी पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रतियां लेने और उसका खंडन, यदि कोई हो, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था।

- v) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी साक्ष्यों से गोपनीय अंशों वाली सार्वजनिक फाइल उपलब्ध कराई। सभी हितबद्ध पार्टियों को जिन्होंने उक्त फाइल के निरीक्षण हेतु लिखित अनुरोध किया उन्हें उक्त फाइल के निरीक्षण की अनुमति दी गई थी।
- vi) प्रारंभिक निष्कर्षों की घोषणा से पहले हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्क, जिन्हें पहले अधिसूचित किए गए प्रारंभिक निष्कर्षों में प्रकाशित किया गया है, को संक्षिप्तता के कारण इसमें दोहराया नहीं गया है। तथापि हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्कों पर प्रारंभिक निष्कर्षों और/या इन निष्कर्षों में विचार किया गया है।
- vii) उपरोक्त नियमों के नियम 16 के अनुसार इन निष्कर्षों के लिए विचारित अनिवार्य तथ्यों/आधार को ज्ञात हितबद्ध पार्टियों के समक्ष प्रकट किया गया था और उन पर मिली टिप्पणियों पर भी इन निष्कर्षों में विधिवत विचार किया गया है।
- (viii) जांच में 1 अप्रैल 1998 से 31 मार्च 1999 तक (12 महीनों) की अवधि शामिल है।
- (ix) इस अधिसूचना में *** से हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना प्रदर्शित होती है और नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी ने उसे गोपनीय ही माना है।

ख. याचिकाकर्ताओं के विचार

2.0 प्रारंभिक निष्कर्षों पर घरेलू उद्योग के विचार:-

2.1 उन्होंने निवेदन किया है कि जांच अवधि के पश्चात् सोडियम नाइट्राइट की उत्पादन लागत महत्वपूर्ण रूप से बढ़ गई जिसके परिणाम स्वरूप घरेलू उद्योग की क्षति में वृद्धि हुई है।

2.2 चीन जनवादी गणराज्य से निर्यात बढ़ रहे हैं और ये घरेलू उद्योग को भारी क्षति पहुंचा रहे हैं।

2.3 प्रारंभिक निष्कर्षों के जवाब में दो अन्य उत्पादकों, नामतः मै. पीसीपीएल और आरसीएफ ने दीपक नाइट्राइट द्वारा प्रस्तुत की गई याचिका को अपना समर्थन दिया है और उन्होंने इच्छा व्यक्त की है कि वे जांच के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा संगत और आवश्यक समझी गई सभी सूचना उपलब्ध कराएँगे।

2.4 कुछ हितबद्ध पार्टियों द्वारा यह दावा किया है कि सोडियम नाइट्राइट के दो और उत्पादक हैं नामतः ओमेगा कैमिकल्स और मै. पंजाब नाइट्रेड। यह निवेदन किया गया है कि उनकी जानकारी के अनुसार इन नामों से सोडियम नाइट्राइट के कोई और विनिर्माता नहीं हैं। समझा जाता है कि मै. ओमेगा कैमिकल्स एक व्यापारी है जिसने पहल सोडा ऐश और नाइट्रिक एसिड के प्रत्यक्ष निरावेशन के जरिए सोडियम नाइट्राइट बनाने की कोशिश की थी।

2.5 सामान्य मूल्य के बारे में उक्त व्यापारी द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के संबंध में उन्होंने कहा है कि तृतीय बाजार में कीमतों के बारे में केवल ई-मेल पर उपलब्ध कराई गई सूचना को सामान्य मूल्य का साक्ष्य नहीं माना जा सकता है। इस संबंध में सूचना उन उत्पादकों द्वारा उपलब्ध कराने की आवश्यकता है जो संगत सूचना रखते हैं। याचिकाकर्ताओं ने कहा है कि चीन से होने वाले निर्यातों की कीमत लगातार गिरी है जिससे पाटन बढ़ रहा है। उन्होंने अनुरोध किया है कि अन्तिम शुल्कों की अमरीकी डालर के रूप में परिवर्तनीय रूप में सिफारिश की जाए ताकि विनिमय दर में परिवर्तन के कारण संरक्षण की मात्रा में कमी न हो।

2.6 पाटन-रोधी नियमों में संशोधनों की ओर ध्यान दिलाते हुए याचिकाकर्ताओं ने निवेदन किया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा पाटन मार्जिन तक पाटन-रोधी शुल्कों की सिफारिश करने पर विचार किया जा सकता है।

ग. निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा व्यक्त किए गए विचार

3.1 निर्यातक: चीन जनवादी गणराज्य से किसी निर्यातक ने इन जांचों का उत्तर नहीं दिया है।

3.2 आयातक:

मै0 रूमित इन्टरनेशनल, बम्बई: उन्होंने बताया है कि वे चीन में सोडियम नाइट्राइट के विनिर्माता मै0 क्विंगडाओ हेगचांग कैमिकल फैक्टरी, चीन के अनन्य अनुबंधित एजेंट हैं।

3.3 उन्होंने बताया है कि सोडियम नाइट्राइट के चार प्रमुख उत्पादकों के अलावा पंजाब नाइट्रेट के चार प्रमुख उत्पादकों के अलावा पंजाब नाइट्रेड लि0 (5000 मी.टन प्रतिवर्ष) तथा मै0 ओमेगा कैमिकल (200 मी.टन प्रति वर्ष) नाम के अतिरिक्त क्षमता वाले उत्पादक हैं। उन्होंने बताया है कि चीन के निर्यातक कोरिया, ताइवान और जापान जैसे देशों को भारत को होने वाली बिक्री से कम कीमत पर उत्पाद की बिक्री कर रहे हैं।

3.4 आगे उन्होंने प्राधिकारी से चीनी मूल से सोडियम नाइट्राइट पर पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाने का अनुरोध किया है।

3.5 आयातकों ने उर्वरकों के विनिर्माण में एक सह उत्पाद के रूप में सोडियम नाइट्राइट के उत्पादन की ओर ध्यान आकर्षित किया है और सह उत्पाद की लागत दीपक नाइट्राइट से कम होगी।

3.6 उन्होंने बताया है कि गुजरात और अन्य राज्यों में बिक्री कर की दर में व्यापक भिन्नता रहती है और इससे विचाराधीन उत्पाद की कीमत प्रभावित होती है। उन्होंने बताया है कि घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा 85 % से बढ़कर 89.9 % हो गया है जबकि वर्ष 1997-98 से 1998-

99 में चीन से हुए आयात 11.6 % से घटकर 8.04 % हो गए हैं।

3.7 दीपक नाइट्राइट को एम आर टी पी अधिनियम के अंतर्गत एकाधिकार का दोषी ठहराया जा सकता है। याचिकाकर्ताओं द्वारा उत्पादन के संबंध में दिए गए आंकड़ों से यह पता चलता है कि सोडियम नाइट्राइट के उत्पादन में समग्र रूप से वृद्धि हुई है।

3.8 मै0 कलर-कैम "क्लेरिफेंट"

आयातकों ने बताया है कि कुछेक वचनबद्धताओं के कारण वे 18 जुलाई, 2000 को हुई सार्वजनिक सुनवाई में उपस्थित नहीं हो सके। उन्होंने बताया है कि आज की तारीख तक उन्होंने सोडियम नाइट्राइट का आयात नहीं किया है और केवल घरेलू निर्माताओं अर्थात् मै0 दीपक नाइट्राइट और मै0 आर सी एफ से ही खरीद की है। अमोनिया की कीमत में वृद्धि होने के कारण दीपक नाइट्राइट ने पहले ही 1 मई, 2000 से सोडियम नाइट्राइट की कीमतों में 1500/- रुपये प्रति मी.टन तक की वृद्धि कर दी है।

सोडियम नाइट्राइट की कीमतों को बढ़ा कर घरेलू विनिर्माता केवल घरेलू रंग-रोगन विनिर्माताओं के लिए अपने संयंत्र चलाना कठिन बना रहे हैं और यह बताया गया है कि यदि सोडियम नाइट्राइट के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता है तो उपभोक्ता उद्योगों, अर्थात् रंजक और रंग-रोगन, जिसमें सोडियम नाइट्राइट की खपत होती है, को समान संरक्षण दिया जाना चाहिए।

घ. उठाए गए मुद्दों की जांच

- 4.1 निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्त्ताओं और अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच की गई है, उन पर विचार किया गया है और इसमें उचित स्थानों पर कार्रवाई की गई है।

ड. विचाराधीन उत्पाद

- 5.1 वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद चीनी मूल के या वहां से निर्यातित सोडियम नाइट्राइट है। यह उत्पाद सीमाशुल्क टैरिफ शीर्ष 2834.10 के अंतर्गत वर्गीकृत हैं। तथापि, यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है। याचिकाकर्त्ता ने बताया है कि यह उत्पाद आयात नीति के अनुसार ओ जी एल की श्रेणी में आता है और यह एक आक्सीडाइजिंग एवं न्यूनीकरण एजेंट है। यह एक सफेद क्रिस्टल पावडर है, जिसका इस्तेमाल मुख्यतः भेषज उद्योगों, रंजक उद्योग, लुब्रिकेट, निर्माण रसायनों मांस प्रसंस्करण, वस्तु आदि में किया जाता है।
- 5.2 प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद के संबंध में किसी भी हितबद्ध पक्ष ने कोई विपरीत तर्क नहीं दिए हैं। प्रारंभिक निष्कर्षों के पैरा ड. की पुष्टि की जाती है।

च. समान वस्तु

- 6.1 प्राधिकारी पाते हैं कि याचिकाकर्त्ताओं द्वारा उत्पादित सोडियम नाइट्राइट और चीन से आयातित संबद्ध उत्पाद, भौतिक और रासायनिक गुणों, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्यों और उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों इत्यादि जैसी विशेषताओं के रूप में तुलनीय है। दोनों उत्पाद तकनीकी और वाणिज्यिक दृष्टि से प्रतिस्थापनीय है।
- 6.2 प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि समान वस्तु के संबंध में प्रारंभिक निष्कर्षों पर किसी भी हितबद्ध पक्ष ने कोई विपरीत तर्क नहीं दिए हैं। प्रारंभिक निष्कर्षों के पैरा च से पुष्टि की जाती है।

छ. घरेलू उद्योग

- 7.1 यह याचिका घरेलू उद्योग की ओर से मै0 दीपक नाइट्राइट लि0, बडौदा द्वारा दायर की गई है। सोडियम नाइट्राइट के उत्पादन के लिए क्षमताओं का सृजन करने वाले तीन अन्य याचिकाकर्त्ता हैं :- मै0 पंजाब कैमिकल्स एण्ड फार्मास्युटिकल्स लि0, मै0 नेशनल फर्टिलाइजर्स लि0 और राष्ट्रीय कैमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स लि0। जांच अवधि के दौरान याचिकाकर्त्ता का हिस्सा घरेलू उद्योग के उत्पादन का लगभग 64 % बनता है।
- 7.2 एक आयातक ने आरोप लगाया है कि मै0 पंजाब नाइट्रेट लि0 (5000 मी.टन प्रति वर्ष) और ओमेगा कैमिकल्स (200 मी.टन प्रति वर्ष) भी सोडियम नाइट्राइट के उत्पादक हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि रिकार्ड में उपलब्ध सूचना के अनुसार किसी भी प्रकार की क्षमता विद्यमान नहीं थी।
- 7.3 प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रारंभिक निष्कर्षों की अधिसूचना जारी होने के बाद इस संबंध में किसी भी हितबद्ध पक्ष द्वारा कोई विपरीत तर्क नहीं दिया गया है और इसीलिए प्राधिकारी इस संबंध में प्रारंभिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं।

प्राधिकारी द्वारा जांच

7.4 प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता मैसर्स दीपक नाइट्राइट के अलावा, दो अन्य उत्पादकों नामतः मैसर्स पीसीपीएल और मैसर्स आर सी एफ ने पाटनरोधी याचिका का समर्थन किया है और जांच के लिए आवश्यक सभी संगत सूचना प्रस्तुत करने के लिए अपनी इच्छा जाहिर की है। प्राधिकारी ने संगत सूचना को मांगा है जहां तक आवश्यक समझा इसकी जांच की है।

7.5 जहां तक अतिरिक्त उत्पादन सुविधाओं, जैसे पंजाब नाइट्राइट लि० (5000 मीट्रिक टन प्रति वर्ष) और मैसर्स ओमेगा केमिकल्स (2000 मीट्रिक टन प्रतिवर्ष) का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयातक ने उत्पादन सुविधाओं के बारे में केवल आरोप लगाया है और इसकी किसी साक्ष्य के साथ पुष्टि नहीं की है। संबंधित प्रशासनिक मंत्रालय ने भी सोडियम नाइट्राइट की ऊपर उल्लिखित उत्पादन सुविधाओं के बारे में पुष्टि नहीं की है। इन परिस्थितियों में, प्राधिकारी आयातक की दलील को अस्वीकार करते हैं।

7.6 जहां तक गुजरात और अन्य राज्यों में बिक्री कर की दरें, जो व्यापक रूप से घटती बढ़ती रहती हैं और विचाराधीन उत्पाद की कीमत पर प्रभाव डालती हैं, का संबंध है प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति मार्जिन निकालने के लिए करखानाद्वारा स्तर पर क्षति रहित कीमत का आकलन किया गया है और इसका प्राधिकारी द्वारा सुसंगत रूप से अनुसरण किया जा रहा है।

7.7 जहां तक इस तर्क का संबंध है कि चीन को आयात किया गया बाजार हिस्सा 11.6 % (97-98) से घटकर 8.04 % (98-99) हो गया है और घरेलू उद्योग का हिस्सा

85.4 % (97-98)से बढ़कर 89.9 % (98-99)हो गया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत की कुल मांग में चीन से हुए आयात का बाजार हिस्सा, जो 96-97 में 2.7 % से भी कम था, 1998-99 में इसमें वृद्धि दर्ज की गई और यह 7.8 % तक हो गया। इसी तरह घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा जो 96-97 में 96.5% था, 98-99 में घटकर 90.2% हो गया।

7.8 जहां तक मैसर्स दीपक नाइट्राइट है, जिस पर एमआरटीपी अधिनियम के तहत एकाधिकार का ठप्पा लगा है, का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इन्होंने इस मामले में पाटनरोधी नियमों के अनुसार ही जांच की है।

7.9 जहां तक इस तर्क से संबंधित मुद्दे का संबंध है, पाटनरोधी शुल्क जिसे यदि सोडियम नाइट्राइट पर लगाया जाता है तो उपभोक्ता उद्योग के उत्पादों जैसे रंजक एवं रंग-रोगन पर भी इसी तरह का संरक्षण दिया जाना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि रंजक एवं रंग रोगन पर पाटनरोधी शुल्क की उगाही करना इस पाटनरोधी जांच के दायरे से बाहर है।

पाटन

8.1 याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि उनके लिए चीन जनवादी गणराज्य की बाजार स्थिति को देखते हुए वहां पर प्रचलित सामान्य मूल्य को प्राप्त करना आसान नहीं है। सामान्य मूल्य का परिकलन उत्पादन लागत के आधार पर किया गया है। याचिकाकर्ताओं ने यह बताया है कि कच्ची सामग्री, उपयोगिता और पैकिंग सामग्री की लागत सोडियम नाइट्राइट की कुल उत्पादन लागत का लगभग 65 % बैठती है। इसलिए, परिकलित

उत्पादन लागत इस उद्देश्य के लिए सोडियम नाइट्राइट के सामान्य मूल्य हेतु एक अच्छा संकेत है ।

8.2 प्राधिकारी ने वास्तविक सूचना देने के लिए चीन के निर्यातकों को लिखा है । तथापि, चीन के किसी भी निर्यातक ने न तो जवाब दिया है और न ही आवश्यक सूचना प्रदान की है ।

8.3 निर्यातकों में से किसी भी निर्यातक का सहयोग न मिलने पर प्राधिकारी ने चीन में आकलित सामान्य मूल्य के संबंध में याचिकाकर्ताओं द्वारा किये गए दावों और रिकार्ड में उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना पर विश्वास किया हो । **** अमरीकी डालर प्रति मीट्रिक टन के दावा किए गए सामान्य मूल्य को स्वीकार किया गया है ।

निर्यात कीमत

8.4 याचिकाकर्ताओं ने 1997-98 की अवधि के लिए वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) के अनुसार और 1998-99 की अवधि के लिए केमिकल्स इंटेलीजेंस ट्रेड मैगजीन के अनुसार निर्यात कीमत उपलब्ध की है । याचिकाकर्ताओं ने 1998-99 के लिए डीजीसीआईएंडएस के नवीनतम आयात आंकड़ों को भी प्रस्तुत किया है और 13033 रुपए प्रति मीट्रिक टन की निर्यात कीमत का दावा किया है । याचिकाकर्ताओं ने कारखानाद्वार पर निर्यात कीमत निकालने के लिए सी आई एफ कीमतों में निम्नलिखित समायोजनों का दावा किया है जैसे: समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, स्वदेशी परिवहन और पत्तन हैंडलिंग प्रभार ।

8.5 प्राधिकारी ने जांच अवधि के लिए डीजीसीआईएंडएस के आयात आंकड़ों पर विश्वास किया है और तदनुसार चीन के निर्यातकों से कोई जवाब नहीं मिलने पर समायोजनों के पश्चात् निर्यात कीमत (कारखाना द्वार स्तर पर) निकाली गई है ।

8.6 पाटन मार्जिन: तुलना से संबंधित नियमों में, सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना हेतु निम्नानुसार व्यवस्था है :-

"पाटन का मार्जिन निकालते समय निर्दिष्ट प्राधिकारी निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के बीच एक उचित तुलना करेगा । यह तुलना व्यापार के एक समान स्तर पर, सामान्यतया कारखाना द्वार स्तर पर की जाएगी और यथा संभव उसी समयावधि के दौरान की गई बिक्रियों के संबंध में की जाएगी । जो अंतर कीमत तुलनीयता पर प्रभाव डालते हैं, उनके लिए प्रत्येक मामले में गुण-दोष के आधार पर उचित छूट दी जाएगी । उक्त अंतर में बिक्री की शर्तें, कराधान, व्यापार के स्तर, मात्राएं, भौतिक विशेषताएं तथा अन्य ऐसे अन्तर शामिल हैं जो कीमत तुलनीयता को प्रभावित करने के लिए प्रदर्शित किए जाते हैं ।"

8.7 सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बीच उचित तुलना करने के उद्देश्य से प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत सूचना और ने पास उपलब्ध अन्य प्रकाशित सूचना को ध्यान में रखा है । ऊपर दिए गए ब्यौरे के अनुसार निर्धारित किया गया सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत कारखानाद्वार स्तर पर है। (**** प्रति मीट्रिक टन) के सामान्य मूल्य और (**** प्रति मीट्रिक टन) की निर्यात कीमत की तुलना करने पर पाटन

मार्जिन (**** प्रति मीट्रिक टन) निकलता है । चीन जनवादी गणराज्य के लिए निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त पाटन मार्जिन 75.78 % निकाला गया है ।

8.8 प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रारंभिक निष्कर्ष संबंधी अधिसूचना जारी होने के बाद इस संबंध में किसी भी हितबद्ध पार्टी द्वारा कोई भी अन्य तर्क नहीं दिया गया है और, इसलिए प्राधिकारी इस संबंध में प्रारंभिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं ।

क्षति एवं कारणात्मक संबंध

9.0 भारत में घरेलू उद्योग पर आयात के प्रभाव की जांच के लिए प्राधिकारी ने उक्त नियमों के अनुबंध II(iv) के अनुसार उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सूचकों पर भी विचार किया है जैसे आयातों की मात्रा, उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, स्टॉक, बाजार हिस्सा, लाभकारिता, निवल बिक्री आय, डम्पिंग की मात्रा तथा मार्जिन आदि ।

9.1 आयातों की मात्रा

	1996-97	1997-98	1998-99
चीन से आयात (मी.टन)	611	3095	2024
कुल आयातों में चीन का हिस्सा(%)	76.7	78.5	79.7
अन्य देशों से आयात (मी. टन)	186	830	517
कुल आयात (मी.टन)	797	3925	2541
भारतीय उत्पादकों की बिक्री	21586	23399	23464
देश में कुल मांग (मी.टन)	23170	27324	26005
मांग में बाजार का हिस्सा			
चीन	2.7	11.4	7.8
अन्य देश	0.8	3.1	2.0
घरेलू उद्योग	96.5	85.6	90.2

उपर्युक्त सारणी से स्पष्ट है कि चीन से आयातों में समग्र रूप से वृद्धि हुई है। ये 611 मी.टन (1996-97) से बढ़कर 1998-99 में 2024 मी.टन हो गए। भारत की कुल मांग में चीन से आयात का बाजार हिस्सा जो 1996-97 में मात्र 2.7 % था, उसमें कई गुणा वृद्धि हुई और 1998-99 में वह 8.04 % हो गया। घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा, जो 1996-97 में 6.5 % था, घटकर 1998-99 में 89.9 % रह गया।

9.2 संबद्ध देश से आयातों का मूल्य :— चीन से हुए आयातों का सीआईएफ मूल्य निम्नानुसार होगा

	मात्रा	मूल्य (रुपये)	सी आई एफ मूल्य (रु०/मी.टन)
1996-97	611.0	8934948	14623
1997-98	3095.3	41619120	13446
1998-99	2024.49	26384470	13033

स्रोत डीजीसीआई एंड एस

जैसा कि ऊपर सारणी से देखा जा सकता है, प्रति मी.टन सी आई एफ दर 14623 रुपए/मी.टन से घट कर 13033 रुपए/मी.टन हो गई है।

9.3 उत्पादन: याचिकाकर्त्ताओं के अनुसार भारत में सोडियम नाइट्राइट के दीपक नाइट्राइट लि० सहित चार उत्पादक हैं। रसायन तथा पेट्रो रसायन मंत्रालय ने जांच अवधि तथा गत वर्षों के उत्पादन एवं क्षमता के ब्यौरे दिए हैं। उन्होंने केवल डी एन एल, एन एफ एल तथा आर सी

एफ एल के उत्पादन आँकड़े ही दिए हैं जैसा कि नीचे दर्शाया गया है ! कंपनी ने पी सी एल के उत्पादन के जो आँकड़े दिए हैं, वे भी नीचे दर्शाए गए हैं ।

उत्पादक	1996-97 मात्रा/मी.टन	1997-98 मात्रा/मी.टन	1998-99 मात्रा/मी.टन
याचिकाकर्ता			
दीपक नाइट्रेट लि०	14622	17533	16718
हिस्सा %	62.33	65.43	63.98
अन्य			
पी सी एफ एल	3955	4620	4913
एन एफ एल	2411	3160	2975
आर सी एफ एल	2470	1485	1526
अन्य कुल	8836	9265	9414
हिस्सा %	37.67	34.57	36.02
मुख्य जोड़	23458	26798	26132

जैसा कि ऊपर दिए गए आँकड़ों से स्पष्ट है, याचिकाकर्ता, मै० डी एन एल वर्ष 1998-99 में कुल घरेलू उत्पादन के 63.98 % का प्रतिनिधित्व करता है । इसके अलावा, याचिकाकर्ता का उत्पादन 1997-98 की तुलना में वर्ष 1998-99 में कम हो गया, हालाँकि 1996-97 की तुलना में उत्पादन में वर्ष 1997-98 में वृद्धि हुई थी । उत्पादन में उक्त वृद्धि का श्रेय

याचिकाकर्ताओं अर्थात् डी एन एल द्वारा 1996-97 में संयंत्र के उन्नयन तथा आधुनिकीकरण हेतु किए गए 7 करोड़ रु० के निवेश को जाता है।

9.4 क्षमता उपयोग: मै० डी एन एल, मै० पी सी पी एल तथा मै० आर एफ का उत्पादन तथा क्षमता उपयोग नीचे दिया गया है:-

सोडियम नाइट्राइट	1996-97	1997-98	1998-99
प्राप्त करने योग्य क्षमता लक्ष्य	27580	27580	27580
उत्पादन	23458	26798	26132
क्षमता उपयोग %	85.05	97.16	94.74

जैसाकि ऊपर के आँकड़ों से स्पष्ट है, क्षमता उपयोग, जो कि 1997-98 में 97.16% था, 1998-99 में घटकर 94.74% रह गया। उत्पादन और क्षमता उपयोग में 1997-98 में वृद्धि हुई है क्योंकि 1996-97 के दौरान अतिरिक्त निवेश किया गया था।

9.5 बिक्री की मात्रा

मै० डी एन एल, मै० पी सी पी एल तथा मै० आर एफ एफ के संबंध में बिक्री की मात्रा नीचे दर्शायी गई है:-

	1996-97	1997-98	1998-99
बिक्री (मी.टन)	21586	23399	23464

वर्ष 1997-98 की तुलना में बिक्री मात्रा में 1998-99 के दौरान समग्र रूप में 65 मी.टन की मामूली वृद्धि हुई है।

9.6 बिक्री मूल्य तथा कीमत में कोटौती

तीन वर्षों के लिए घरेलू उद्योग में सबसे बड़े उत्पादकों में से एक उत्पादक अर्थात् मै0

डी एन एल की निवल बिक्री वसूली का ब्यौरा नीचे दिया गया है:-

अवधि	विक्रय मूल्य (रुपए प्रति मी.टन)
1996-97	19180
1997-98	18648
1998-99 प्रथम तिमाही	18787
1998-99 द्वितीय तिमाही	19564
1998-99 तृतीय तिमाही	19115
1998-99 चौथी तिमाही	18546

- 9.6.1 घरेलू बाजार में सोडियम नाइट्राइट के बिक्री मूल्य में तेजी आई गिरावट से याचिकाकर्ता को वास्तविक हानि है। डी एन एल की औसत बिक्री वसूली, जो 1996-97 में 19180 रु. प्रति मी.टन थी, 1997-98 में गिरकर 18648 रु. प्रति मी.टन रह गई। याचिकाकर्ता 1998-99 की दूसरी तिमाही के आरंभ में कीमत मामूली रूप से बढ़ा सका था लेकिन उसे कथित पाटित आयातों के कारण चौथी तिमाही के दौरान कीमतें कम करने लिए फिर से बाध्य होना पड़ा।
- 9.6.2 प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में पर्याप्त मात्रा तक कमी आ रही थी। इससे घरेलू उद्योग को अपनी कीमत बढ़ाने से रोक़ा गया है। उद्योग की उत्पादन लागत में वृद्धि हुई इसके बावजूद भी उद्योग उत्पादन लागत में हुई वृद्धि के अनुपात में अपनी बिक्री कीमत नहीं बढ़ा सका।
- 9.6.3 घरेलू उद्योग की लाभप्रदता ईष्टतम से कम रही है। एक कंपनी को भारी घाटा उठाने के लिए बाध्य किया गया है जबकि दूसरी कंपनियों को भी जांच अवधि के दौरान अपनी उचित क्षति-रहित कीमत प्राप्त करने से रोका गया था।

10.0 क्षति संबंधी निष्कर्ष

इस प्रकार प्राधिकारी पाते हैं कि:

- जांच अवधि के दौरान चीन से आयातों की मात्रा में तेजी से वृद्धि हुई है।
- सी आई एफ आयात कीमत गिर रही है।
- पिछले वर्ष की तुलना में जांच अवधि में उत्पादन और क्षमता उपयोग में गिरावट दिखाई दी है।
- चीन से आयातित वस्तुओं का बाजार हिस्सा बढ़ गया है जबकि याचिकाकर्ता का हिस्सा कुल मांग में कम हुआ है।
- जांच अवधि के दौरान उत्पादन की लागत बढ़ गई है लेकिन जांच अवधि की पश्चातवर्ती अवधि में वसूली कम हो गई और इस प्रकार घरेलू उद्योग को जांच अवधि के दौरान हानि उठानी पड़ी।
- संबंधित देशों से आयातों के परिणाम स्वरूप भारतीय बाजार में कीमतों में गिरावट आई

उपर्युक्त पर विचार करने के पाश्चात् प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि घरेलू उद्योग को चीन से होने वाले सोडियम नाइट्राइट के आयातों से वास्तविक क्षति हुई है।

11.0 कारणात्मक संबंध

11.1 अन्य देशों से सोडियम नाइट्राइट के आयात पिछले तीन वर्षों में लगभग 21 प्रतिशत से 23 प्रतिशत थे। इसके अलावा अन्य देशों के निर्यातक भारत में सोडियम नाइट्राइट का निर्यात काफी ऊँची कीमतों पर कर रहे हैं। इसलिए अन्य देशों से होने वाले आयातों से घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हो रही है। याचिकाकर्ता गत तीन दशकों से सोडियम नाइट्राइट का उत्पादन कर रहा है। कंपनी द्वारा अपनाई गई प्रौद्योगिकी विश्वभर की अन्य कंपनियों द्वारा अपनाई गई प्रौद्योगिकी से तुलनीय है।

तुलनीय है। विनिर्माण प्रक्रिया में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है। चीन जनवादी गणराज्य से आयातों की मात्रा समग्र रूप में 611 मी.टन (95-96) से बढ़कर 2024 मी.टन (98-99) हो गई।

11.2 सोडियम नाइट्राइट की कुल मांग में चीन का बाजार हिस्सा लगभग 3 प्रतिशत (96-97) से बढ़कर 8 प्रतिशत (98-99) हो गया। इसका सीधा परिणाम यह हुआ कि घरेलू उद्योग का हिस्सा लगभग 96 प्रतिशत (96-97) से गिरकर 90 प्रतिशत (98-99) हो गया।

11.3 चीन से आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों से कम है जिससे कीमतें कम करने का संकेत मिलता है। एक प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में 1998-99 में घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली लगभग स्थिर रही और उद्योग को अपनी कीमतें बनाए रखने में कठिनाई हुई।

11.4 उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है।

12.0 भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे

12.1 सामान्य तौर पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य ऐसे पाटन समाप्त करना है जो कि देश के सामान्य हित में है। यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है। किन्तु पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी, विशेषकर तब, जब पाटनरोधी शुल्क की लेवी उस राशि तक ही सीमित रखी जाए जो कि घरेलू उद्योग को हुए नुकसान को कम करने के लिए आवश्यक है। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू करने से पाटन द्वारा प्राप्त होने वाले अनुचित लाभों को समाप्त किया जा सकेगा भारतीय उद्योग के हास को रोका जा सकेगा और इस प्रकार सोडियम नाइट्राइट के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध हो सकेगा पाटनरोधी उपायों से संबद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे इसलिए उपभोक्ताओं के लिए इस उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

12.2 घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक पाटनरोधी शुल्क की मात्रा को सुनिश्चित करने के निमित्त प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए क्षमता उपयोग के ईष्टतम स्तर पर उत्पादन की अधिकतम लागत पर विचार करके भारत में घरेलू उद्योग के लिए सोडियम नाइट्राइट की उचित बिक्री कीमत पर निर्भर किया है।

13.0 निष्कर्ष

प्राधिकारी पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:

- चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सोडियम नाइट्राइट का भारत को निर्यात सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर किया गया है, जिसके कारण पाटन हुआ है;
- भारतीय उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
- उक्त क्षति संचयी रूप से संबंधित देश से आयातों के कारण हुई है ।

संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सोडियम नाइट्राइट के सभी आयातों पर निश्चयात्मक पाटन-रोधी शुल्क लगाना आवश्यक समझा गया है ।

14.0 प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन के बराबर अथवा उससे कम पाटनरोधी शुल्क की राशि, जिसे यदि लगाया जाता है तो उससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त हो जाएगी और इस प्रकार के शुल्क को लागू करने की तारीख की सिफारिश करने पर विचार किया है । (यथासंशोधित उपरोक्त नियम 4 का खण्ड (घ))

15.0 तदनुसार प्राधिकारी निश्चयात्मक पाटन-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं । सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 28 के अंतर्गत आने वाले चीन जनवादी गणराज्य के मूल के या वहां से निर्यातित सोडियम नाइट्राइट के सभी आयातों पर पाटनरोधी शुल्क 524.63 अमरीकी डालर प्रति मी. टन और आयातों की प्रति मी. टन पहुँच कीमत के बीच का अंतर होगा ।

16.0 इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुँच मूल्य सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 तथा 9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी प्रकार के सीमाशुल्कों सहित सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अधीन सीमाशुल्क द्वारा आकलित निर्धारणीय मूल्य होगा ।

17.0 उपरोक्त के अधीन रहते हुए, प्राधिकारी 6.4.2000 के प्रारंभिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं ।

18.0 इस आदेश के खिलाफ कोई अपील उपरोक्त अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पादशुल्क एवं स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष दायर की जाएगी ।

एल. वी. सप्तश्रृषि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd November, 2000

Final Finding Notification

Subject: Anti-Dumping Investigation concerning imports of Sodium Nitrite from China PR
– Final Findings.

No. 39/1/99-DGAD.— The Government of India having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

A PROCEDURE

The procedure described below has been followed with regard to the investigations:

- i. The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), notified Preliminary Findings vide notification dated 6th April, 2000 and requested the interested parties to make their views known in writing within 40 days from the date of its publication.
- ii. The Authority forwarded a copy of Preliminary Findings to the known interested parties who were requested to furnish their views, if any, on the preliminary findings within 40 days of the date of the letter

- iii. The Authority also forwarded a copy of the preliminary findings to the Embassy of China PR with a request that exporters and other interested parties may be advised to furnish their views on the preliminary findings.
- iv. The Authority provided an opportunity to all interested parties to present their views orally on 18th July, 2000. Further, all the parties presenting views orally were requested to file written submission of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rebuttals, if any.
- v. The Authority made available the public file to all interested parties containing non-confidential version of all evidence submitted by various interested parties. All interested parties who made request for inspection, in writing, were allowed to inspect the public file;
- vi. Arguments raised by the interested parties before announcing the preliminary findings, which have been brought out in the preliminary findings notified have not been repeated herein for sake of brevity. However, the arguments raised by the interested parties have been considered in the preliminary findings and/or these findings.
- vii. In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received on the same have also been duly considered in these findings.
- viii. The investigations covered the period of 1st April, 1998 to 31st March, 1999 (12 months);
- ix. *** in this notification represents the information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the rules.

B VIEWS OF THE PETITIONERS

2.0 VIEWS OF DOMESTIC INDUSTRY ON PRELIMINARY FINDINGS:

2.1 They have submitted that the cost of production of Sodium Nitrite has increased significantly after the investigation period, which has resulted in, intensify injury to the domestic industry.

2.2 Exports from China PR have been increasing and are causing severe injury to domestic industry.

2.3 In response to the Preliminary Findings two other producers, namely, M/s. Punjab Chemical and Pharmaceuticals (PCPL) and M/s Rashtriya Chemicals & Fertilizers (RCF) have extended their support to the petition filed by Deepak Nitrite and have conveyed their willingness to provide all information considered relevant and necessary by the Designated Authority for the investigation.

2.4 It has been claimed by some interested parties that there are two more producers of Sodium Nitrite, namely, Omega Chemicals and M/s. Punjab Nitrate. It has been submitted that to best of their knowledge there are no manufacturers of Sodium Nitrite by these names. It is understood that M/s. Omega Chemicals is a trader who earlier tried to make Sodium Nitrite through direct neutralization of Soda Ash and Nitric Acid.

2.5 With regard to information provided by the trader on normal value, the petitioners has submitted that mere E-mail information with regard to prices in 3rd market does not constitute evidence of normal value. The information in this regard required to be provided by those producers who are holding the relevant information. The petitioners have submitted that the export price from China has declined continuously and has resulted in intensify dumping. They have submitted that the final duties may be recommended in variable form in terms of US Dollars so that erosion of the quantum of protection does not take place on account of changes in the exchange rate.

2.6 Drawing attention to the amendments to the anti-dumping rules, the petitioners have requested that the Designated Authority may consider recommending anti-dumping duties up to the dumping margin.

C VIEWS EXPRESSED BY THE EXPORTERS, IMPORTERS AND INTERESTED PARTIES

3.1 Exporters: None of the exporters from China PR have responded to these investigations.

3.2 Importers:

M/s. Runit International, Bombay: They have stated that they are exclusive indenting agent of M/s. Qingdao Hengchang Chemical Factory, China, the manufacturers of Sodium Nitrite in China.

3.3 They have stated that in addition to four major producers of Sodium Nitrite, there are additional capacities, namely, Punjab Nitrate Ltd. (5000 MT per year) and M/s. Omega Chemical (200MT per year). They have stated that Chinese exporters are selling the product at a lower price than India to countries like Korea, Taiwan & Japan.

3.4 They have further requested the Authority not to impose anti-dumping duty on Sodium Nitrite originating from China.

3.5 The importers have drawn attention to the production of Sodium Nitrite as a by-product in the manufacture of fertilizers and the cost of by-product would be lower than M/s. Deepak Nitrite.

3.6 They have stated that the rate of sales tax in Gujarat and other States vary widely and this affects the price of the product under consideration. They have stated that the market share, of domestic industry has increased from 85% to 89.9%, whereas import from China has declined from 11.6% in 1997-98 to 8.04% in 1998-99.

3.7 Deepak Nitrite can be labeled as the monopoly under MRTP Act. The production figures given by the petitioners indicate that there has been an increase in production of Sodium Nitrite in absolute terms..

3.8 M/s Colour-Chem 'Clariant':

The importers have stated that due to certain commitments they could not attend the public hearing on 18th July, 2000. They have submitted that they have not imported Sodium Nitrite till date and have purchased only from domestic manufacturers, namely, M/s. Deepak Nitrite and M/s. RCF. Effective from 1st May, 2000 Deepak Nitrite have already increased the prices of Sodium Nitrite by Rs.1500/-PMT due to increase in price of Ammonia.

The domestic manufacturers by increasing the price of Sodium Nitrite is only making it difficult for domestic pigment manufacturers to operate their plant and have submitted that if anti-dumping duty is levied on imports of Sodium Nitrite similar protection should be given to the consumer industries, namely, Dyes and Pigments in which Sodium Nitrite is consumed.

D EXAMINATION OF ISSUES RAISED

- 4.1 The submissions made by the exporters, importers, petitioners and other interested parties have been examined, considered and have been dealt with at appropriate places herein.

E PRODUCT UNDER CONSIDERATION:

- 5.1 The product under consideration in the present investigation is Sodium Nitrite originating in or exported from China. The product is classified under Customs Tariff heading 2834.10. The classification is, however, indicative only and in no way binding on the present investigations. The petitioner has stated that the product is under OGL category as per the import policy and is an oxidizing as also a reducing agent. It is a white crystal powder mostly used in pharmaceutical industries, dye industry, lubricants, construction chemicals, meat processing, textiles etc.
- 5.2 The Authority notes that none of the interested parties have raised any contrary arguments with regard to product under consideration. Para E of the Preliminary findings is confirmed.

F. LIKE ARTICLE:

- 6.1 The Authority finds that Sodium Nitrite produced by the petitioners and the subject product imported from China are comparable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, function and uses, products specifications etc. The two are technically and commercially substitutable.

- 6.2 Authority also notes that none of the interested parties have raised any contrary arguments on the preliminary findings with regard to like article. Para F of the preliminary finding is confirmed.

G DOMESTIC INDUSTRY.

- 7.1 M/s. Deepak Nitrite Ltd., Baroda on behalf of domestic industry, has filed the petition. There are three other petitioners who have created capacities for production of Sodium Nitrite, namely, M/s. Punjab Chemicals and Pharmaceuticals Ltd., M/s. National Fertilizers Ltd. And Rashtriya Chemicals and Fertilizers Ltd. The petitioner accounts for around 64% of production of domestic industry during the period of investigation.
- 7.2 One importer has alleged that M/s. Punjab Nitrate Ltd. (5000 MT per year) and Omega Chemicals (200 MT per year) are also producers of Sodium Nitrite. Authority notes that none of the capacities existed as per the available information on records.
- 7.3 Authority notes that no contrary argument has been made by any interested party in this regard after the preliminary finding notification was issued and, therefore, Authority confirms the preliminary findings in this regard.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY:

- 7.4 Authority notes that apart from M/s. Deepak Nitrite, the petitioners, two other producers namely, M/s. PCPL and M/s. RCF have supported the anti-dumping petition and conveyed their willingness to provide all relevant information necessary for the investigation. Authority called for relevant information and conducted verification to the extent deemed necessary.
- 7.5 As regards to additional production facilities like Punjab Nitrite Ltd. (5000 MT/Per year) and M/s. Omega Chemicals (200 MT/Year) the Authority notes that importer has just alleged about the production facilities and have not substantiated with any evidence. The concerned administrative ministry has also not confirmed about the above mentioned production facilities of Sodium Nitrite. In the circumstances, Authority rejects the contention of the importer.

- 7.6 As regards to rates of sales tax in Gujarat and other States which vary widely and affects the price of the product under consideration, the Authority notes that the non-injurious price is assessed at ex-works level for computing injury margin and the same is consistently followed by the Authority.
- 7.7 As regards the argument that market share of import from China has declined from 11.6% (97-98) to 8.04% (98-99) and the share of domestic industry has increased from 85.4% (97-98) to 89.9% (98-99), the Authority notes that the market share of import from China in total demand in India, which was as low as 2.7% in 96-97, registered an increase in 1998-99 and stood at 7.8%. Similarly, the market share of domestic industry, which was 96.5% in 96-97, declined to 90.2% in 98-99.
- 7.8 As regards to M/s. Deepak Nitrite labeled as monopoly under MRTP Act, the Authority notes that it has carried out investigations in accordance with anti-dumping rules in the instant case.
- 7.9 With regards to the argument that anti-dumping duty if levied on Sodium Nitrite, similar protection should be extended to the consumer industry products like Dyes and pigments, the Authority notes that the levy of anti-dumping duty to dyes and pigments is beyond the scope of this anti-dumping investigation.

DUMPING

- 8.1 The petitioner has claimed that it is difficult for them to obtain normal value prevailing in China PR in view of the market condition in that country. The normal value has been constructed on the basis of cost of production. The petitioners have stated that raw material, utilities and packing material cost constitute around 65% of the total cost of production of Sodium Nitrite. Hence, the constructed cost of production is a good indicator for normal value of Sodium Nitrite on this account.
- 8.2 The Authority wrote to the exporters from China for providing factual information. However, none of the exporters in China responded and provided necessary information

- 8.3 In absence of cooperation of any of the exporters, Authority relies upon the claims made by the petitioners with regards to constructed normal value in China and the best available information on record. The normal value claimed at US \$ **** per MT has been accepted.

Export Price:

- 8.4 The petitioners have provided the export price as per the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S), Calcutta for the period 1997-98 and also as per the Chemicals Intelligence Trade Magazine for the period of 1998-99. The petitioners have also furnished latest DGCI&S imports statistics for 1998-99, and claimed c.i.f export price at Rs.13033 PMT. The petitioners have claimed adjustments to the c.i.f price to arrive at the ex-factory export price on account of Ocean Freight, Marine Insurance, Commission, Inland transportation, and Port handling charges.
- 8.5 The Authority relies upon the DGCI&S import statistics for the period of investigation and the export price (ex-factory level) has been accordingly arrived at after adjustments.
- 8.6 Dumping Margin: The Rules relating to comparison provides comparison of normal value and export price provides as follows:

"While arriving at margin of dumping Designated Authority shall make a fair comparison between the export price and the normal value. A comparison shall be made at the same level of trade, normally at ex-works level and in respect of sales made and as nearly possible the same time. Due allowance shall be made in each case on its merits, for differences which occur price comparability including differences in conditions and terms and sales, taxation, levels of trade quantities, physical characteristics and any other differences which are demonstrated to affect price comparability".

- 8.7 For the purpose of fair comparison between normal value and export price the Authority took into account the information furnished by the petitioner and other

published information available with the Authority. The normal value and export prices determined as detailed above are at ex-works level. The comparison of normal value (**** per MT) and export price (**** per MT), works out to a dumping margin of **** per MT. The dumping margin expressed as a percentage of export price for China PR works out to 75.78 %

- 8.8 Authority notes that no other argument has been made by any interested party in this regard after the preliminary finding notification was issued and, therefore, Authority confirms the preliminary findings in this regard.

INJURY AND CAUSAL LINK

- 9.0 For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such indices having a bearing on the state of the industry such as quantum of Imports production, capacity utilisation, sales quantum, stock market share, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II (iv) of the rules supra.

9.1 Volume of Imports:

The volume of imports have been as under:

	1996-97	1997-98	1998-99
Imports from China (MT)	611	3095	2024
Share of China in total imports (%)	76.7	78.9	79.7
Imports from Other countries (MT)	186	830	517
Total Imports (MT)	797	3925	2541
Sale of Indian Producers	21586	23399	23464
Total Demand in the Country(MT)	23170	27324	26005
Market Share in Demand			
China	2.7	11.4	7.8
Other Countries	0.8	3.0	2.0
Domestic Industry	96.5	85.6	90.2

It is evident from the table above that the imports have increased from China in absolute terms. It increased from 611 MT (1996-97) to 2024 MT in 1998-99. The market share of import from China in the total demand in India, which was as low as 2.7% in 1996-97 registered manifold increase and stood at 7.8 % in 1998-99. The market share of domestic industry, which was 96.5 % in 1996-97 declined to 90.2 % in 1998-99.

9.2 Value of Imports from subject country:

The CIF value of imports from China has been as under:

	Qty	Value (Rs)	CIF Value Rs/MT
1996-97	611.0	8934948	14623
1997-98	3095.3	41619120	13446
1998-99	2024.49	26384470	13033

Source: DGCI &S

As seen from the above the CIF rate per MT has declined from Rs. 14623/MT to Rs. 13033/MT

9.3 Production : As per the petitioners, there are four producers of Sodium Nitrite in India including Deepak Nitrite Ltd. The Ministry of Chemicals & Petrochemicals has indicated production and capacity details for period of investigation and past years. They have indicated production figures only for DNL, NFL & RCFL as shown below. The production figures for PCPL as given by the company are also shown below.

PRODUCERS	1996-97 Volume/MT	1997-98 Volume/MT	1998-99 Volume/MT
PETITIONER			
DEEPAK NITRATE LTD	14622	17533	16718
SHARE %	62.33	65.43	63.98
OTHERS			
PCFL	3955	4620	4913
NFL	2411	3160	2975

RCFL	2470	1485	1526
OTHERS TOTAL	8836	9265	9414
SHARE %	37.67	34.57	36.02
GRAND TOTAL	23458	26798	26132

As it is evident from the above the petitioner M/s. DNL represents 63.98% production of total domestic production in 1998-99. Further, the production of petitioner has declined in 1998-99 as compared to 1997-98, though the production increased in 1997-98 compared to 1996-97. The increase in production has been attributed to investment of 7 crores in 1996-97 for upgradation and modernisation of the plant by the petitioners i.e. DNL.

- 9.4 Capacity Utilisation: Production and capacity utilisation of the M/s DNL, M/s PCPL and M/s RCF is as under:-

Sodium Nitrite	1996-97	1997-98	1998-99
Capacity Achievable	27580	27580	27580
Production	23458	26798	26132
Capacity Utilisation %	85.05	97.16	94.74

As it is evident from the above that the capacity utilisation which was 97.16% in 1997-98 declined to 94.74% in 1998-99. The production and capacity utilisation have increased in 1997-98 as a result of additional investments during 1996-97

- 9.5 Sales Volume:

Sales volume in respect M/s DNL, M/s PCPL and M/s RCF is as under:-

	1996-97	1997-98	1998-99
Sales (MT)	21586	23399	23464

The sales volume has marginally increased during 1998-99 compared to 1997-98 by 65 MT in absolute terms.

9.6 Selling Price and Price Undercutting

The net sales realisation for one of the largest producers in the domestic industry i.e. M/s. DNL for three years is as under:-

Period	Selling price (Rs. Per MT)
1996-97	19180
1997-98	18648
1998-99 1 ST QTR	18787
1998-99 2 ND QTR	19564
1998-99 3 RD QTR	19115
1998-99 4 TH QTR	18546

- 9.6.1 The material injury suffered by the petitioner is noticed from the steep reduction in the selling price of Sodium Nitrite in the domestic market. The average Sales Realisation of DNL, which was 19180 MT in 1996-97, declined to 18648 PMT in 1997-98. The petitioner was able to increase the price marginally in the beginning of second quarter of 1998-99 but was forced again to reduce the prices during the fourth quarter due to alleged dumped imports.
- 9.6.2 The Authority notes that imports were undercutting the prices of the Indian Industry to a significant degree. This has prevented the industry from increasing their selling price. The cost of production of the industry increased, in spite of which the industry could not increase its selling prices proportionate to the extent of the increase in the cost of production.
- 9.6.3 The profitability of the domestic industry has remained sub-optimal. One of the companies has been forced to significant losses while the others were also prevented from recovering their fair non-injurious price during the period of investigation.

10.0 Conclusion on Injury:

The Authority thus observe that:

- The volume of imports from China has increased sharply during the period of investigation.
- The CIF import price has been declining.
- The production and capacity utilisation has shown a decline in period of investigation compared to previous year.
- The market share of imported goods from China has gone up whereas the share of petitioner in total demand has come down.
- The cost of production have gone up, during the period of investigation but the realisation have gone down in the later part of the POI and thus the domestic industry has suffered losses during period of investigation.
- Imports from subject country resulted in price under cutting in Indian market;

The Authority, after considering the above, concludes the domestic industry has suffered material injury from the imports of Sodium Nitrite originating from China.

11.0 Causal Link:

- 11.1 Imports of Sodium Nitrite from other countries was around 21% to 23% in the past three years. Further more, the exporters from other countries are exporting Sodium Nitrite into India at a significantly higher price. The imports from other countries are, therefore, not causing any injury to domestic industry. The petitioner is producing Sodium Nitrite for past three decades. The technology adopted by the company is comparable to the technology adopted by other player's world over. There is no significant difference in manufacturing process. Imports volume from China PR has increased in absolute terms from 611 MT (95-96) to 2024 MT (98-99).

- 11.2 Market share of China in the total demand of Sodium Nitrite increased from around 3% (96-97) to 8% (98-99). As a direct consequence, share of domestic industry defined from around 96% (96-97) to 90% (98-99).
- 11.3 The landed value of imports from China is lower than the selling prices of domestic industry indicating price under cutting. As a direct consequence, the net sales realisation of domestic industry in 1998-99 has remained more or less stagnant and the industry is finding difficult to hold its prices.
- 11.4 In view of the above, Authority notes that the injury to domestic industry has been caused by the dumped imports.
- 12.0 Indian Industry's Interest and other issues:
- 12.1 The purpose of anti dumping duties, in general, is to eliminate dumping, which is in general interest of the country. It is recognised that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures, particularly if the levy of the anti dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of sodium nitrite. Imposition of anti dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.
- 12.2 To ascertain the extent of anti-dumping duty necessary to remove the injury to the domestic industry, the Authority relied upon reasonable selling prices of Sodium Nitrite in India for the domestic industry, by considering the optimum cost of production at optimum level of capacity utilisation for the domestic industry

13.0 CONCLUSIONS:

The Authority, after considering the foregoing, concludes that:

- Sodium Nitrite originating in or exported from China PR has been exported to India below normal value resulting in dumping;
- The domestic industry has suffered material injury.
- The injury has been caused cumulatively by the imports from the subject country. It is considered necessary to impose definitive anti-dumping duty, on all imports of Sodium Nitrite originating in or exported from the subject country.

14.0 Authority considered to recommend the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to the domestic industry, and the date of commencement of such duty (clause (d) Rule 4 supra as amended).

15.0 Accordingly, the Authority recommends definitive Anti-dumping Duty. The Anti-dumping Duty shall be the difference between USD524.63 per MT and the landed price of imports per MT, on all imports of Sodium Nitrite originating in or exported from China PR falling under Chapter 28 of the Customs Tariff Act.

16.0 Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Section 3, 3A, 8B and 9, 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

17.0 Subject to above, the Authority confirms the preliminary findings dated 6.4.2000

18.0 An appeal against this order shall lie to the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act Supra.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority

